ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय
रायपुर

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-01-2021

नारायणपुर(छत्तीसगढ़) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-01-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-01-06	2021-01-07	2021-01-08	2021-01-09	2021-01-10
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	31.0	31.0	31.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	13.0	13.0	12.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	85	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	35	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2.0	2.0	2.0	2.0	2.0
पवन दिशा (डिग्री)	135	244	72	189	207
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	5	3	3	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विभाग (IMD) से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान नारायणपुर जिले में मौसम शुष्क रहेगा एवं आसमान आसमान में मध्यम बादल छाये रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30.0 से 31.0 oC के आस-पास एवं न्यूनतम 12.0 से 13.0 oC रहने की संभावना है। इस दौरान हवा में सुबह लगभग 85 % और शाम के समय 30 से 35 % नमी रहने की संभावना है। मुख्यतः दक्षिण-पूर्व दिशा से लगभग 2 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने की संभावना है ।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले 5 दिनों में बादल छाये रहने की सम्भावना को देखते हुए जिले के किसानों को सलाह है कि सब्जी फसलों में कीट- व्याधियों से बचाव हेतु नियमित निगरानी रखें.

लघु संदेश सलाहकार:

आलू की फसल में 12-15 दिन के अंतराल में सिंचाई करें.

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	समय पर बोई गई गेहूं की फसल मुकुट जड़ अवस्था (बुआई से 21 से 25 दिन) में हलकी सिंचाई करें.
चना	चने की 30 से 40 दिन पुरानी फसल में खूंटाई कर सिंचाई प्रदाय करें.

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	ग्रीष्मकालीन कद्दूवर्गीय सब्जियों जैसे लौकी, कद्दू, तरबूज, खरबूज और ककड़ी की खेती के लिए, मिट्टी और गोबर खाद से भरे हुए पॉलीथीन बैग में बीज बोएं और इसे गर्म स्थान पर रखें.

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्तमान मौसम की स्थिति में, मवेशी खुरपका-मुंहपका रोग (एफएमडी), से प्रभावित हो सकते हैं, किसानों को सलाह दी जाती है कि जनवरी के महीने में अपने मवेशियों को पास के पशु औषधालय में टीका लगवाएं।
बकरा	ठण्ड के दिनों में पशुओं में जुएँ लगने की सम्भावना अधिक होती है. इससे बचाव हेतु सायपरमेथ्रिन कीटनाशी का 2 मिली प्रति लिटर पानी में घोल बनाकर बाहरी उपयोग करें.

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	ग्रीष्मकालीन धान की थरहा की बुआई से पहले कारबेंडाजिम 50% डब्लू पी 1.5 ग्रा./कि.ग्रा.बीज उपयोग करें यह बीज जनित रोगों से बचाव करता है.
पौध - संरक्षण	गेहूं की फसल में दीमक से बचाव हेतु क्लोरपायरीफ़ॉस 20 % ई सी 0.8 से 1.2 लीटर प्रति एकड़ की दर से छिडकाव करें.
पौध - संरक्षण	टमाटर में फल बेधक कीटो से बचाव हेतु प्रति 100 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 1 फेरोमेन ट्रैप या लाइट ट्रैप स्थापित करें.
पौध - संरक्षण	कद्दू वर्गीय सब्जियों में मृदु रोमिल आसिता (डाउनी मिल्ड्यू) से बचाव के लिए मेटालेक्सिल 8%+ मेंकोजेब 64% की 20 ग्राम मात्रा प्रति 10 लीटर पानी में घोलकर छिडकें.